स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र -2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

छत्तिसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले के अम्बिकापुर नगर में बाल अपराधियों की सामाजिक आर्थिक समस्यायों का अध्ययन

शोधकर्ता

आंचल

अनुक्रमांक - 220410001

नामांकन - AA-20-98

एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र

राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का

सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र

रा.गां. शास. स्नातको. महाद्यियालय

अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि आँचल एम. ए. समाजशास्त्र की चतुर्थ सेमेस्टर में नियमित छात्रा के रुप में स्थान 2022 की मुख्य परीक्षा हेतु अंशपूर्ति के रुप में छ. ग. राज्य के सरगुजा जिले के अम्बिकापुर नगर क्षेत्र में बाल अपराधियों का साजिक आर्थिक समस्यायों का अध्धययन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है।

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का

सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र

रा.गां. शास. स्नातको. महाविद्यालय

अम्बिकापुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

अध्याय – 1

प्रस्तावना

1.0 - भूमिका
1.1 - शोध प्रारूप
1.2 - उद्देश्य
1.3 - अध्ययन क्षेत्र
1.4 - निदर्शन
1.5 - उपकल्पनाएं

अध्याय – 2

बाल अपराधियों की पृष्ठभूमि

2.0 - बाल अपराधियों की सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि
2.1 - परिवार का स्वरूप एवं भूमिका

अध्याय – 3

बाल अपराध की समस्या में समाज के सदस्यों का स्वरूप

3.0 - पड़ोसियों का स्वरूप एवं भूमिका
3.1 - मित्र मंडली का स्वरूप एवं भूमिका
3.2 - समुदाय का स्वरूप एवं भूमिका

अध्याय – 4

बाल अपराध की समस्या में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका

4.0 - बाल अपराध में मीडिया की भूमिका
4.1 - बाल अपराध में पुलिस की भूमिका

अध्याय – 5

5.0 - निष्कर्ष
5.1 – सुझाव
5.2 - संदर्भ ग्रंथ सूची

अध्याय - 6

परिशिष्ट

6.0 - साक्षात्कार अनुसूची

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोतर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)
सत्र – 2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध
2022

छ0ग0 राज्य के सरगुजा जिले के अम्बिकापुर शहर में मजदूरो का समाज

शोध निर्देशक
डॉ. प्रदीप कुमार एक्का
सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र
रा.गां. शास. स्नातको. महाद्यियालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोधकर्ता
अहमद रजा
एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर
(समाजशास्त्र)
रोल न0–220410002
नामांकन क्र0–AA/20/99

आभार

किसी भी विषय के अंतर्गत शोध प्रक्रिया का अहम स्थान होता है किंतु शोध कार्य इतना व्यापक और जटिल होता है कि बिना सहयोग एवं मार्गदर्शन के संपन्न होना कठिन होता है मैं अपना शोध (डॉ श्रीमती प्रतिभा सिंह विभागीयध्यक्ष समाजशास्त्र पीजी कॉलेज अंबिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़) कुशल निर्देशन में संपन्न किया इनके सहयोग में सहृदय आभार हूं जिन्होंने बड़ी लगन और बहुमूल्य योगदान दिया मैं उनका हृदय से धन्यवाद करता हूं **"मजदूर को समाज सरगुजा जिले के विशेष संदर्भ में अध्ययन किया गया है।"**

प्रस्तुतकर्ता

अहमद रजा
एम ए चतुर्थ सेमेस्टर
(समाजशास्त्र)
पी.जी. कॉलेज, अ0पुर

अध्याय 1

1, प्रस्तावना

2,अध्ययन क्षेत्र

अध्ययन 2

1, मजदूरों की समाज में योगदान

2, समाज के निर्माण में भूमिका

3, सरगुजा के मजदूरों की स्थिति

अध्याय 3

1,मजदूरों से बातचीत

अध्याय 4

1, महिला मजदूरी

2, बाल मजदूरी

3, मजदूरों का रहन सहन

अध्याय 5

1, सुझाव

2, निष्कर्षण

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र -2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

छत्तिसगढ़ राज्य के बलरामपुर जिले के राजपुर क्षेत्र में बैगा जनजाति में गोदना प्रथा का समाजशास्त्रीय अध्ययन

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का
सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र
रा.गां. शास. स्नातको. महाद्यियालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोधकर्ता

अमरज्योति
अनुक्रमांक 220410003
नामांकन AA/20/400
एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र

राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि अमर ज्योति एम. ए. समाजशास्त्र की चतुर्थ सेमेस्टर में नियमित छात्रा के रुप में स्थान 2022 की मुख्य परीक्षा हेतु अंशपूर्ति के रुप में छ. ग. राज्य के बलरामपुर जिले के राजपुर नगर क्षेत्र में बैगा जनजाति में गोदना प्रथा एक समाजशास्त्री अध्धययन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है।

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का

सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र

रा.गां. शास. स्नातको. महाविद्यालय

अम्बिकापुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

अध्याय 1: संस्कृति की पृष्ठभूमि

1. प्रस्तावना
2. अध्ययन के उद्देश्य
3. अध्ययन की शोध विधि
4. अध्ययन का तथ्य संकलन

अध्याय 2:- क्षेत्र का कार्य परिचय

1. छत्तीसगढ़ का परिचय
2. जिला बलरामपुर का परिचय
3. राजपुर तहसील का परिचय
4. राजपुर में गोदना प्रथा का अध्ययन

अध्याय 3: गोदना एक सामाजिक प्रथा

1. बैगा जनजाति में गोदना की प्रक्रिया
2. बैगा जनजाति में गोदना प्रचलित महिलाए
3. गोदना प्रेमी गोड महिलाएं

5. गोदना से जुड़े धार्मिक मान्यता

6 गोदना का महत्व

अध्याय 4

1. "बैगा जनजाति की परिचयात्मक व्याख्या"

2. गोदना विलुप्त होने के कारण

3. गोदना विलुप्त होने के कगार पर

अध्याय 5

निष्कर्ष

संदर्भ सूची

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोतर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र -2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

छत्तिसगढ़ राज्य के जिला बलरामपुर के राजपुर विकासखण्ड के क्षेत्र में आगंनबाड़ी समाजशास्त्र के अध्ययन

प्रचार्य
रशिदा परवेज
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोध निर्देशक
डॉ. प्रदीप कुमार एक्का
सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र
रा.गां. शास. स्नातको. महाद्यियालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोधकर्ता
अंजली केसरी
अनुक्रंमाक 22041000४
नामाकंन AA/20/101
एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र
राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

25/12/2022

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया है कि **अंजली केसरी** एम.ए. समाजशास्त्र में एक नियमित छात्रा के रूप में सत्र 2022 की मुख्य परीक्षा के अंतर्गत अंशपूर्ति के रूप में **आंगनबाडी समाजशास्त्रीय अध्ययन** के रूप में विकासखंड राजपूर जिला बलरामपुर के रूप में प्रस्तुत किया है।

इन्होंने यह शोध कार्य मेरे निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। प्रस्तुत शोध परियोजना के इस के स्वयं के द्वारा एकत्रित तथ्यों पर आधारित है।

दिनांक :-.....

स्थान:- अम्बिकापुर

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का

सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र

रा.गां. शास. स्नातको. महाविद्यालय

अम्बिकापुर (छ.ग.)

अध्याय :- 4 सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

1. महिला एवं बाल विकास विभाग के मुख्य कार्य :

2. आंगनवाड़ी का संगठन और कार्यान्वयन:

3 आंगनबाड़ी के लिए स्थान चयन की मुख्य बातें

4 अध्ययन का समाजशास्त्रीय महत्व

अध्याय -5

निष्कर्ष

संदर्भ ग्रंथ सूची

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र -2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

छत्तिसगढ़ राज्य के जिला बलरामपुर के राजपुर विकासखण्ड के क्षेत्र में महिलाओं के विरूद्व घरेलु हिंसा एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

प्रचार्य
रशिदा परवेज
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोध निर्देशक
डॉ. श्रीमती प्रतिभा सिंह
विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र
रा. गा. शा. स्ना. महाविद्यालय

शोधकर्ता
Bharti
भारती एक्का
अनुक्रमांक 220410005
नामांकन AA/20/102
एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र
राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

20/1/2022

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया है कि **भारती एक्का** एम.ए. समाजशास्त्र में एक नियमित छात्रा के रूप में सत्र 2022 की मुख्य परीक्षा के अंतर्गत अंशपूर्ति के रूप में **महिलाओं के विरूद्ध घरेलु हिंसा एक समाजशास्त्रीय अध्ययन** के रूप में विकासखंड राजपूर जिला बलरामपुर के रूप में प्रस्तुत किया है।

इन्होंने यह शोध कार्य मेरे निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। प्रस्तुत शोध परियोजना के इस के स्वयं के द्वारा एकत्रित तथ्यों पर आधारित है।

दिनांक :- 13-7-22

स्थान:- अम्बिकापुर

शोध निर्देशक

श्रीमती डॉ.प्रतिभा सिंह

विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र

रा.गा.शास.स्ना. महाविद्यालय

अम्बिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़

अनुक्रमणिका

अध्याय - 1

1.प्रस्तावना

2.घरेलू हिंसा अवधारणात्मक विवेचन

3.घरेलू हिंसा (महिलाओं के प्रति)

घरेलू हिंसा का अर्थ

घेरलू हिंसा (भारत में)

अध्याय -2

पद्धतिशास्त्र

अध्ययन के उद्देश्य

अध्ययन क्षेत्र का परिचय

सामाजिक शोध

राजपुर में महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा

अध्याय -3

उत्तरदाताओं की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि

प्रस्थिति

प्रभुत्व

व्यक्तित्व एंव संस्कृति

अध्याय -4

महिला सशक्तिकरण, कानूनी प्रावधान एवं प्रभाव

महिला सशक्तिकरण, कानूनी प्रावधान एवं प्रभाव

अध्याय – 5

निष्कर्ष

संदर्भ ग्रन्थ सूची

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र -2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

छत्तिसगढ़ राज्य के बलरामपुर जिले के राजपुर क्षेत्र में आगंनबाड़ी द्वारा संचालित महिला एवं बाल स्वास्थ योजनाओं के प्रति महिलाओं में जागरूकता एवं लाभ का अध्ययन का समाजशास्त्रीय अध्ययन

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का

सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र

रा.गां. शास. स्नातको. महाद्यियालय

अम्बिकापुर (छ.ग.)

chanda

शोधकर्ता

चंदा यादव

अनुक्रंमाक 2204/0006

नामाकंन AA/20/103

एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र

राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

25/11/2022

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि चंदा यादव एम. ए. समाजशास्त्र की चतुर्थ सेमेस्टर में नियमित छात्रा के रुप में स्थान 2022 की मुख्य परीक्षा हेतु अंशपूर्ति के रुप में छ. ग. राज्य के सरगुजा जिले के अम्बिकापुर नगर क्षेत्र में आंगनबाड़ी द्वारा संचालित महिला एवं बाल स्वास्थय योजनायों के प्रति महिलाओं में जागरुकता एवं लाभ का अध्धययन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है।

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का

सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र

रा.गां. शास. स्नातको. महाविद्यालय

अम्बिकापुर (छ.ग.)

अध्याय 1:

भूमिका

2- आंगनबाड़ी का उद्देश्य

3 -आंगनबाडी का कार्य

4,- आंगनबाड़ी शिक्षिकाओं की कार्य:

5- लघु शोध की पद्धति

6- निदर्शन

अध्याय 2 क्षेत्र कार्य परिचय

1- छत्तीसगढ़ का परिचय

2- जिला बलरामपुर का परिचय

3 ग्राम पाठी का परिचय

4 पाढ़ी में आंगनबाड़ी का अध्ययन

अध्ययन 3: आंगनबाड़ी की गतिविधपयाँ

1- एकीकृत बाल संरक्षण योजना |

2- समेककि बाल विकास सेवा योजन

3- धन लक्ष्मी योजना

4- किशोर शक्ति योजना

5- सबल योजना

अध्याय 4: सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

1 महिला एवं बाल विकास विभाग के मुख्य कार्य:

2. आगनवाड़ी का संगठन एवं क्रियान्वयन :

3. आंगनबाड़ी के लिए स्थान चयन की मुख्य बातें

4 अध्ययन का समाजशास्त्रीय महत्व

अध्याय 5

निष्कर्ष एवं सुझाव

संदर्भ ग्रंथ सूची

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र -2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

छत्तिसगढ़ राज्य के बलरामपुर जिले के जशवंतपुर में कंवर जनजाति का समाजशास्त्रीय अध्ययन

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का

सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र

रा.गां. शास. स्नातको. महाद्यियालय

अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोधकर्ता

दीपा पैंकरा

अनुक्रंमाक 220410007

नामाकंन AA/20/104

एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र

राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि दीपा पैकरा एम. ए. समाजशास्त्र की चतुर्थ सेमेस्टर में नियमित छात्रा के रुप में स्थान 2022 की मुख्य परीक्षा हेतु अंशपूर्ति के रुप में छ. ग. राज्य के बलरामपुर जिले के जसवंतपुर ग्रामीण क्षेत्र में कंवर जनजाति का समाजशात्रीय अध्ययन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है।

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का

सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र

रा.गां. शास. स्नातको. महाविद्यालय

अम्बिकापुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

अध्याय - 1

1.0 प्रस्तावना

1.1 अध्ययन क्षेत्र

1.2 कंवर जनजाति के अध्ययन के उद्देश्य

अध्याय - 2

2.0 कंवर जनजाति का सामान्य परिचय

2.1 उपनियम

2.2 शिक्षा

अध्याय - 3

3.0 कंवर जनजाति का सामाजिक रीति रिवाज एवं परंपराएं (संस्कार)

1. जन्म संस्कार
2. विवाह संस्कार
3. मृत्यु संस्कार

3.1 कंवर जनजाति का धार्मिक जीवन

अध्याय - 4

4.0 जन स्वास्थ्य सुधार कार्यों पर ध्यान देना

4.1 कंवर जनजाति का आर्थिक जीवन

4.2 प्रोत्साहन, पुरस्कार, सम्मान

अध्याय - 5

5.0 निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 संदर्भ ग्रंथ सूची

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोतर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र -2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

छत्तिसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले के अम्बिकापुर में स्वः सहायता समूह का समाजशास्त्रीय अध्ययन

शोध निर्देशक
डॉ. प्रदीप कुमार एक्का
सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र
रा.गां. शास. स्नातको. महाद्यियालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोधकर्ता
दीक्षा गुप्ता
अनुक्रंमाक - 2204/0008
नामाकंन AA/20/105
एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र
राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया है कि दीक्षा गुप्ता एम.ए. समाजशास्त्र में एक नियमित छात्रा के रूप में सत्र 2021-22 की मुख्य परीक्षा के अंतर्गत अंशपूर्ति के रूप में स्व: सहायता समूह का अध्ययन के रूप में विकासखंड अम्बिकापुर जिला सरगुजा के रूप में प्रस्तुत किया है।

इन्होंने यह शोध कार्य मेरे निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। प्रस्तुत शोध परियोजना के इस के स्वयं के द्वारा एकत्रित तथ्यों पर आधारित है।

दिनांक :- .....

स्थान :- अम्बिकापुर

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का

सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र

रा.गां. शास. स्नातको. महाविद्यालय

अम्बिकापुर (छ.ग.)

अनुक्रमाणिका

अध्याय 1

1.1 प्रस्तावना

1.2 स्व सहायता से आशय

अध्याय 2

2.1। बैंक संयोजक कार्यक्रम

2.2 उद्देश्य

अध्याय 3

3.1 शोध परिकल्पना

3.2 अध्ययन क्षेत्र का संक्षिप्त विवरण

अध्ययन 4

4.1 प्रस्तावित शोध का पद्धति अध्ययन

4.2 अध्यक्ष व सचिव का विवरण

4.3 सीआरपी का विवरण

अध्याय 5

5.1 शोध का परिमाण व निष्कर्ष

5.2 संदर्भ ग्रंथ सूची

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र -2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

छत्तिसगढ़ राज्य के सूरजपुर जिले के भटगांव जरही क्षेत्र में कोयला खदान में कार्यरत श्रमिकों का समाजशास्त्रीय अध्ययन

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का

सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र

रा.गां. शास. स्नातको. महाविद्यालय

अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोधकर्ता

दिप्ती लता

अनुक्रंमाक 2204/0099

नामाकंन AA/20/106

एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र

राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि दिप्ती लता (समाजशास्त्र) चतुर्थ सेमेस्टर का नियमित छात्र के रूप में राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ में वर्ष 2022 की मुख्य परीक्षा हेतु इनके द्वारा अंश पूर्ति में" कोयला खदान में कार्यरत श्रमिकों का समाजशास्त्रीय अध्ययन" (भटगांव जरही क्षेत्र के विशेष संदर्भ में) प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का

सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र

रा.गां. शास. स्नातको. महाविद्यालय

अम्बिकापुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

अध्याय 1

पद्धति शास्त्रीय अध्ययन

1. भूमिका
2. उपकल्पना
3. पूर्व अध्ययन
4. अध्ययन का उद्देश्य
5. शोध की पद्धति
6. सर्वेक्षक पद्धति
7. अध्ययन का केंद्र बिंदु

अध्याय 2

परिवेशात्मक अध्ययन एवं डाटा उपकरण

1) प्रश्नावली
2) निदर्शन
3) उद्देश्य पूर्ण निदर्शन
4) ऐतिहासिक
5) वर्णनात्मक
6) तुलनात्मक अनुसंधान
7) अवलोकन

8) छत्तीसगढ़ का परिवेशात्मक अध्ययन

9) सूरजपुर का अध्ययन

10) भटगांव का अध्ययन

अध्याय 3

कोयला संसाधन

1) कोयला संसाधन का अर्थ

2) कोयला संसाधन की उत्पत्ति

3) कोयला का निर्माण प्रक्रिया

4) कोयला के प्रकार

- एंथ्रेसाइट कोयला
- बिट्यूमिनस कोयला
- लिग्नाइट कोयला
- पीट कोयला

5) कोयले का उपयोग

6) भटगांव में कोयले संसाधन का विस्तार

7) भटगांव क्षेत्र में कोयले का उत्खनन

8) कोयले के खनन से उत्पन्न समस्या

अध्याय 4

कोयला खदान में कार्यरत श्रमिक

1) भटगांव क्षेत्र में कोयला खदान में श्रमिक का कार्य
2) कोयला खदान में कार्यरत श्रमिकों का कार्य मे विभाजन
   - कोयला को मशीन द्वारा खोदने का कार्य
   - कोयलाको निकालने का कार्य
   - मशीन द्वारा कोयला तोड़ने का कार्य
   - वाहन चालक का कार्य
   - ऑपरेटर का कार्य
   - कोयला को वाहन में भरने का कार्य
   - बम विस्फोट का कार्य
   - गार्ड का कार्य
   - देखरेख का कार्य अर्थात (मैनेजर का कार्य)
3) कोयला खदान में कार्यरत श्रमिकों से चर्चा

अध्याय 5

(अ)कोयला खदान में कार्यरत श्रमिकों को लाभ

1) आवास की सुविधा
2) परिवहन की सुविधा
3) चिकित्सा की सुविधा

4) शिक्षा की सुविधा

5) पानी की सुविधा

6) दुर्घटना वशमृत्यु होने पर परिवार को प्रोत्साहन राशि व अनुकंपा की सुविधा

7) रिटायरमेंट के बाद भी पेंशन की सुविधा

(ब) श्रमिकों पर प्रभाव डालने वाले समस्या

1) स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ने की समस्या

2) दुर्घटनाग्रस्त होने की समस्या

3) पारिवारिक विघटन की समस्या

4) सुरक्षा का अभाव (सुरंग के अंदर बनी रहती है)

(स) सुरक्षा के उपाय

अध्याय 6

अध्यायीकरण

1) हमारालक्ष्यएवंसमाधान

2) निष्कर्ष

पंड़ो जनजाति के जीवन का सांस्कृतिक व सामाजिक अध्ययन

(छत्तीसगढ़ राज्य के सूरजपुर जिले के पंड़ो नगर ग्राम के विशेष संदर्भ में)

एम.ए. समाजशास्त्र(चतुर्थ सेमेस्टर) के पाठ्यक्रम के तहत प्रस्तुत

लघुशोध-प्रबन्धन

2021-2022

शोध निर्देशक
डॉ. प्रदीप कुमार एक्का
सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र
रा.गां. शास. स्नातको. महाद्यियालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोधकर्ता:-
मो. समी हुजैका
रोल नं. 220410010
एम.ए.समाजशास्त्र(चतुर्थ सेमेस्टर)

अध्ययन केन्द्र

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर सामाजशास्त्र विभाग का छात्र मो. सभी हुजैफा ने सत्र 2021–22 में अपना लघु शेध प्रबंध "पंडो जनजातियों का संस्कृति अध्ययन– एक सामाजिक स्थिती" (छत्तीसगढ़ राज्य के सूरजपुर जिले के पंडोनगर ग्राम के विशेष संदर्भ में) मेरे दिशा निर्देशन में पूर्ण किया।

प्रस्तुत लघु–शोध प्रबंध छात्र के घोषणा के अनुसार एवं हमारे विश्वास के आधार पर इसके स्वयं कि मौलिक रचना है जिसे, उसे किसी अन्य विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय में किसी भी परिक्षा की उपाधी हेतु अब तक प्रस्तुत नहीं किया है।

स्थानः– अम्बिकापुर

दिनांकः–

शोध निर्देशक

डॉ. प्रदीप कुमार एक्का

सहायक प्रध्यापक समाजशास्त्र

रा.गां. शास. स्नातको. महाविद्यालय

अम्बिकापुर (छ.ग.)

अनुक्रमाणिका

अध्याय	पृष्ठ संख्या
अध्याायः 1 प्रस्तावना	**1—12**
1.1 परचिय	1—7
1.2 पूर्व में किया गया अध्ययन	7—10
1.3 परिकल्पना	10
1.4 समस्या	10
1.5 शोध का उद्देश्य	11
1.6 शोध का महत्व	12
अध्यायः 2 अनुसंधान प्रविधि	**13—17**
2.1 शोध प्रविधि	13—14
2.2 प्राथमिक आंकडो का संकलन	14—16
2.3 द्वितिय आंकडो का संकलन	16—17
अध्यायः 3 अध्ययन क्षेत्र एवं जनजातिय परिचय	**18—35**
अध्यायः 4 परिणाम और विवरण	**36—55**
4.1 समाजिक आर्थिक स्थिति का आंकलन	36—46
4.2 पंडो जनजाति के सांस्कृतिक वार्तालाप	47—55
अध्यायः 5 निष्कर्ष, सुझाव	**56—57**
अध्यायः 6 संदर्भ ग्रंथ एवं छाया चित्र	**58—59**

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ. ग)

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु प्रस्तुत शोध पत्र

लघु शोध प्रबंध 2022

छत्तिसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले के अम्बिकापुर नगर में माध्यमिक शिक्षा मे निजिकरण से उसकी गुणवत्ता पर प्रभाव का अध्ययन

प्राचार्य

डा. रशीदा परवेज़

महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोध निर्देशक

डॉ. श्रीमती प्रतिमा सिंह

विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र

गा. शा. स्ना. महाविद्यालय

शोधकर्ता

प्रतिमा दास

अनुक्रंमाक 220410012

नामाकंन AA/20/112

एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र

राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

25/7/2022

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रतिमा दास एम. ए. समाजशास्त्र की चतुर्थ सेमेस्टर में नियमित छात्रा के रुप में स्थान 2022 की मुख्य परीक्षा हेतु अंशपूर्ति के रुप में छ. ग. राज्य के सरगुजा जिले के अम्बिकापुर नगर क्षेत्र में माध्यमिक शिक्षा में निजिकरन से उसकी गुणवत्ता पर प्रभाव का अध्ययन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है।

शोध निर्देशक

डा. श्रीमति प्रतिभा सिंह

विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र

राजिव गाँधी शा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा, छ. ग.

अनुक्रमणिका

अध्याय 1:- पद्धति शास्त्रीय अध्ययन|

1- भूमिका

2- शोध समस्या का उद्भव

3-शोध अध्ययन की आवश्यकता

4 - शोध समस्या का कथन

5- शोध अध्ययन में प्रयुक्त शब्दों की व्याख्या

6 - अध्ययन की परिकल्पना ए शोध अध्ययन का

अध्याय 2:- क्षेत्र कार्य परिचय

1- छत्तीसगढ़ का परिचय

2- जिला सरगुजा का परिचय

3- अंबिकापुर शहर का परिचय

4- अंबिकापुर में माध्यमिक शिक्षा के गुणवत्ता का अध्ययन

अध्याय 3 :- सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

1- भूमिका

2- साहित्य का अर्थ

3- संबंधित साहित्य सर्वेक्षण की आवश्यकता

4- सम्बन्धित साहित्य के सर्वेक्षण का उद्देश्य साहित्य

5- सम्बन्धित साहित्य के सर्वेक्षण के कार्य लाभ 2.6

6- सम्बन्धित साहित्य के सर्वेक्षण के कार्य

7- विज्ञान के क्षेत्र

8- सम्बन्धित साहित्य की सीमाएं

9- शोध समस्या से सम्बद्ध क्षेत्रों में कुछ प्रमुख अध्ययन

अध्याय 4:- विधि-तंत्र

1- अनुसंधान विधि
2- प्रतिदर्श का चयन
3- उपकरण का चयन
4- प्रदत्तों का संकलन
5- परीक्षण का प्रशासन
6- अंकीकरण

अध्याय 5:-

1- निष्कर्ष

2-संदर्भ सूची

वनोपज का आर्थिक विकास पर प्रभाव

(जशपुर जिले के विशेष सन्दर्भ में)

शासकीय स्वशासी योजनान्तर्गत

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा
(छ0ग0)
एम.ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्न पत्र के स्थान पर प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2021–22

निर्देशक

डॉ. श्रीमती प्रतिभा सिंह
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

Punam

शोधकर्ता

पुनम तिग्गा
रोल.नम्बर. 220410013
नामाकंन नम्बर AA/20/113
एम.ए. चतुर्थ सेमेंस्टर समाजशास्त्र
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर (छ.ग.)

स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध केन्द्र

समाजशास्त्र विभाग– राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0) 497001

सम्बद्ध विश्वविद्यालय – संन्त गहिरा गुरू विश्वविद्यालय अम्बिकापुर (छ0ग0)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा **पुनम तिग्गा** एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर, के नियमित छात्रा के रूप में राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.) में वर्ष 2022 की मुख्य परीक्षा हेतु इनके द्वारा अंश पूर्ति के रूप में **"जशपुर जिले में वनोपज का आर्थिक विकाश पर प्रभाव"** का लघु शोध प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

दिनांक 13.7.22
स्थान – अम्बिकापुर

शोध निर्देशक

डॉ. श्रीमती प्रतिभा सिंह
समाजशास्त्र विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

"वनोपज का आर्थिक विकास पर प्रभाव"

(जशपुर जिले के विशेष सन्दर्भ में)

अनुक्रमणिका

अध्याय–01

सामान्य परिचय

1. प्रस्तावना
2. जशपुर का इतिहास
3. जशपुर जिले का भौगोलिक पृष्ठभूमि

अध्याय–02

क्षेत्र अध्ययन की पृष्ठभूमि

1. स्थिति–विस्तार
2. उच्चावच
3. धरातलीय स्वरूप
4. प्राकृतिक वनस्पति
5. जलवायु
6. अपवाह तंत्र
7. मिट्टी

अध्याय–03

वनोपज संग्रहण एवं विपड़न व्यवस्था

1. संग्रहण योजना का स्वरूप
2. संग्रहण कार्य हेतु जिले में व्यवस्था
3. संग्रहण नियोजन
4. शाखकर्तन की तकनीक
5. शाखकर्तन के प्रबंधन
6. शाखकर्तन कार्य में सावधनियाँ
7. फड़ो का चयन
8. फड़ मुंशी की नियुक्ति एवं कर्तव्य
9. फड़ पर नियुक्त फड़ अभिरक्षक के दायित्व एवं कर्तव्य
10. पोषक अधिकारियों के दायित्व एवं कर्तव्य
11. तेन्दूपत्ता संग्रहण प्रकिया

अध्याय – 04

न्यूनतम समर्थन मूल्य के अन्तर्गत विभिन्न वनोपज

1. साल बीज का संग्रहण
2. महुआ का संग्रहण
3. हर्रा का संग्रहण
4. बहेरा का संग्रहण
5. चार चिरौजी गुठली का संग्रहण
6. इमली का संग्रहण
7. अन्य का संग्रहण

अध्याय – 05

वनोपज समितियों की विभिन्न योजनाएँ

1. विनाश–विहीन विदोहन
2. संग्रहन पद्धति
3. विभाग की प्रचलित योजनाएँ
   - हरियाली प्रयार योजना
   - तेन्दूपत्ता संग्राहक समूह बीमा योजना
   - सग्राहक परिवार के बच्चे हेतु शिक्षा प्रोत्साहन योजना
   - मेधावी छात्र–छात्राओं को पुरूस्कार योजना

अध्याय – 06

निष्कर्ष एवं संदर्भ सूची

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र -2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

छत्तीसगढ़ राज्य के बलरामपुर जिला के राजपुर ग्राम के सन्दर्भ में नरवा घरवा और घुरवा और बाड़ी का समाजशास्त्रीय अध्ययन

शोध निर्देशक

डॉ. श्रीमती प्रतिभा सिंह

विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र

रा. गा. शा. स्ना. महाविद्यालय

Rupa

शोधकर्ता

रूपा बेक

अनुक्रमांक 220410015

नामांकन AA/20/115

एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र

राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

Checked Dept 25/7/2022

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नरवा गरवा घुरवा और बड़ी ग्राम पंचायत **राजपुर** जिला **बलरामपुर** छत्तीसगढ़ के संदर्भ में नरवा गरवा घुरवा और बाड़ी ग्राम पंचायत **राजपुर** जिला **बलरामपुर** के विशेष संदर्भ में विषय पर लिखित लघु शोध **रुपा बेक** एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर समाजशास्त्र राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर छत्तीसगढ़ वर्ष 2021 के चतुर्थ प्रश्न पत्र विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया है इस छात्र में नितांत मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य मेरे निर्देशक से संपन्न हुआ है

निर्देशक

डॉ श्रीमती प्रतिभा सिंह

विभाग अध्यक्ष समाजशास्त्र

विभाग राजीव गांधी शासकीय

स्नातकोत्तर महाविद्यालय (अंबिकापुर)

अनुक्रमाणिका

शीर्षक / उपशीर्षक

अध्याय1- निर्माण प्रक्रिया

1.1- भूमिका

1.2- उपकल्पना

1.3- अध्ययन का उद्देश्य

1.4- शोध की पद्धति

1.5- सर्वेक्षण पद्धति

अध्याय2- डाटा उपकरण

2.1-प्रश्नावली

2.2- निर्देशक

2.3- इतिहासिक

2.4- वर्णनात्मक

2.5- तुलनात्मक अनुसंधान

2.6- अवलोकन

2.6- छत्तीसगढ़ का अध्ययन

2.7- राजपुर का अध्ययन

अध्याय 3- नरवा गरवा घुरवा और बाड़ी योजना

3.1- नरवा गरवा घुरवा और बाड़ी योजना की शुरुआत

3.2- नरवा गरवा घुरवा बाड़ी योजना क्या है इसके उद्देश्य एवं लाभ

1- नरवा योजना

- उद्देश्य
- प्रारंभ
- प्रावधान एवं लाभ

2-गरवायोजना

- उद्देश
- प्रारंभ
- प्रावधान एवं लाभ

3-घूरवायोजना

- उद्देश
- प्रारंभ
- प्रावधान एवं लाभ

4- बाड़ी योजना

- उद्देश्य
- प्रारंभ
- प्रावधान एवं लाभ

अध्याय 4- नरवा गरवा घुरवा और बाड़ी योजना धरमपुर के विशेष संदर्भ में.

4.1- ग्राम धरमपुरका अध्ययन

4.2- नरवा गरवा घुरवा बाड़ी योजना धरमपुर के संदर्भ में

- नरवा योजना का निर्माण
- गरवा योजना का निर्माण
- घूरवायोजना का निर्माण
- बाड़ी योजना का निर्माण

अध्याय 5- नरवा गरवा घुरवा बाड़ी योजना का उद्देश्य.

5.1- नरवा गरवा घुरवा और बाड़ी के तहत बनने वाले गौठान का लाभ.

5.2- नरवा गरवा घुरवा और बाड़ी योजना के तहत कंपोस्ट खाद कैसे बनती है.

5.3- नरवा गरवा घुरवा और बाड़ी के तहत पेड़ लगाना तथा उसका संरक्षण

5.4- नरवा गरवा घुरवा और बाड़ी योजना की विशेषताएं

5.5- नरवा गरवा घुरवा और बाड़ी योजना के नियम

अध्याय 6- अध्यायीकरण

6.1- हमारा लक्ष्य एवं समाधान

6.2-निष्कर्ष

संदर्भ सूची-

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र -2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

छत्तिसगढ़ राज्य के बलरामपुर जिले के राजपुर क्षेत्र में उराव जनजाति के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन पर [illegible] समाजशास्त्रीय अध्ययन

शोध निर्देशक

डॉ. श्रीमती प्रतिभा
विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र
. गा. शा. स्ना. महाविद्यालय

Shalu Jaiswal

शोधकर्ता

शालु जायसवाल
अनुक्रंमाक – 220410016
नामाकंन – AA/20/117
एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र

राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया है कि **शालु जायसवाल** एम.ए. समाजशात में एक नियमित छात्रा के रूप में सत्र 2021-22 की मुख्य परीक्षा के अंतर्गत अंशपूर्ति के रूप में **उराव जनजाति के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन पर अध्ययन** के रूप में विकासखंड राजपुर जिला बलरामपुर के रूप में प्रस्तुत किया है।

इन्होंने यह शोध कार्य मेरे निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। प्रस्तुत शोध परियोजना के इस के स्वयं के द्वारा एकत्रित तथ्यों पर आधारित है।

दिनांक 13-7-22

स्थान:- अम्बिकापुर

शोध निर्देशक

श्रीमती डॉ. प्रतिभा सिंह

विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र

रा.गा. शास. स्ना, महाविद्यालय

अम्बिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़

अनुक्रमणिका

अध्याय 01

प्रस्तावना

अध्याय 02

उराँव जनजाति का इतिहास

अध्याय 03

उराँव जनजाति का वेशभूष और आभूषण

अध्याय 04

उराँव जनजाति का सामजिक प्रचलन

अध्याय 05

धार्मिक एवं संस्कृतिक मान्यताएं

अध्याय 06

पर्व त्यौहार

अध्याय 07

उरांवों जनजाति के प्रमुख नृत्य

उरॉव जनजाति में साल वृक्ष का सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व

(ग्राम बन्दगढ़ के विशेष सन्दर्भ में)

शासकीय स्वशासी योजनान्तर्गत

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

एम.ए. सामाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्न पत्र के स्थान पर प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2021–22

निर्देशक

डॉ. श्रीमती प्रतिभा सिंह
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

Shanta
शोधकर्ता

शान्ता टोप्पो
रोल.नम्बर. 220410017
नामाकंन नम्बर AA/20/119
एम.ए. चतुर्थ सेमेंस्टर समाजशास्त्र
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर (छ.ग.)

स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध केन्द्र

समाजशास्त्र विभाग – राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0) 497001

सम्बद्ध विश्वविद्यालय – संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय अम्बिकापुर (छ0ग0)

25/7/2022

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा **शान्ता टोप्पो** एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर, के नियमित छात्रा के रूप में राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.) में वर्ष 2022 की मुख्य परीक्षा हेतु इनके द्वारा अंश पूर्ति के रूप में **"उरॉव जनजाति में साल वृक्ष का सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व"** का लघु शोध प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

स्थान– अम्बिकापुर

दिनांक 13-7-22

शोध निर्देशक

डॉ. श्रीमती प्रतिभा सिंह

समाजशास्त्र विभाग

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

"उराँव जनजाति में साल वृक्ष का सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व"

(ग्राम चन्द्रगढ़ के विशेष सन्दर्भ में)

अनुक्रमणिका

अध्याय - 01

सामान्य परिचय

1- प्रस्तावना

2- भूमिका

3- अध्ययन का उद्देश्य

4- लघु शोध की पद्यति

5- अध्ययन का केन्द्र बिन्दू

अध्याय - 02

क्षेत्र कार्य परिचय

1. क्षेत्र अध्ययन का परिचय

2. बलरामपुर का परिचय

3. चन्द्रगढ़ गाँव का अध्ययन

4. चन्द्रगढ़ गांव में साल वृक्ष का अध्ययन

अध्याय - 03

मानव जीवन में साल वृक्ष का महत्व

1. संस्कृति में महत्व
    - साल पेड़ के कई उपयोग
    - पत्ते, लकड़ी और बीज का तेल
    - छाल, फूल और बीज
2. मानवीय जीवन में आय का साधन
3. मानव के लिए रोजगार प्राप्त
4. वृक्षारोपण में गैर सरकारी संगठनों की सहायता
5. मानव जीवन में औषधि प्रदान करते हैं
6. व्यवसाय में उपलब्धता
7. साल वृक्ष के पारम्परिक उपयोग
8. वृक्षारोपण के आर्थिक लाभ

अध्याय - 04

मानव जीवन में साल वृक्ष के सामाजिक सांस्कृतिक प्रभाव

1- साल वृक्ष के सकारात्मक प्रभाव

2- साल वृक्ष के नकारात्मक प्रभाव

3- साल वृक्ष का वृक्षारोपण के आर्थिक लाभ

4- धार्मिक एवं संस्कृतिक मान्यताएं

5- साल वृक्ष का ऐतिहासिक पुष्टभूमि

अध्याय -05

साल वृक्ष का सामाजिक सांस्कृतिक विकास

1. साल वृक्ष से भौतिक संरचना का विकास
2. साल वृक्ष का धार्मिक संस्कार का विकास
3. व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाएं
4. साल वनों के प्रबंधन हेतू आवश्यक सुझाव
5. टेप-ट्री आपरेशन

अध्याय -06

निष्कर्ष

संदर्भ सूची -

RAJEEV GANDHI GOVT AUTONOMOUS P.G. COLLAGE
AMBIKAPUR SURGUJA (C.G.)

A DISERTATION ENTITLED

IMPACT OF ENVIRONMENTAL POLLUTION ON SOCIETY AND IT'S PREVENTION IN AMBIKAPUR

SUBMTITED TO THE DEPARTMENT OF SOCIOLOGY

In Partial fulfillment of Requirements for the Award of the Degree of

MASTER OF SOCIOLOGY

SESSION 2021-2022

SUBMITTED TO
Dr. Pratibha Singh
H.O.D of Sociology
DEPARTMENT
R.G. Govt Auto. P.G College,
AMBIKAPUR (C.G.)

SUBMITTED BY
SOURABH TRIPATHI
M.A. SOCIOLOGY 4th Sem.
ENROL. NO-AA/20/120
ROLL NO-220410018

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सौरभ त्रिपाठी राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर समाजशास्त्र विभाग मे सत्र 2021-22 का नियमित छात्र हैं। 2022 की मुख्य परीक्षा हेतु इनके द्वारा अंश पूर्ति के रूप में **(पर्यावरण प्रदूषण का समाज पर प्रभाव एवं उसके रोकथाम छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुज़ा ज़िले के नगर अंबिकापुर के विशेष संदर्भ में)** मेरेदिशा निर्देश में पूर्ण किया गया है।

शोध निर्देशिका

डॉ. श्रीमती प्रतिभा सिंह
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग
राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, अम्बिकापुर (छ.ग.)

क्रमांक	विषय वस्तु	पृष्ठ क्रमांक
1	घोषणा पत्र	
2	प्रमाण पत्र	
3	आभार प्रदर्शन	
4	अध्याय –1 प्रस्तावना	4–7
5	अध्याय –2 अध्ययन,क्षेत्र एवं वायुमंडल की सामान्य जानकारी	8–22
6	अध्याय –3 शोध सामग्री एवं शोध प्रविधियां	23–28
7	अध्याय –4 पर्यावरण से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य	29–45
8	अध्याय –5 समाज व पर्यावरण	46–56
9	अध्याय –6 अवलोकन एवं विश्लेषण	57–70
10	अध्याय –7 निष्कर्ष, सुझाव एवं सन्दर्भ सूची	71–79

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र -2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

छत्तिसगढ़ राज्य के बलरामपुर जिले के जशवंतपुर में बैगा जनजाति का समाजशास्त्रीय अध्ययन

शोध निर्देशक
डॉ. श्रीमती प्रतिमा सिंह
विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र
गा. शा. स्ना. महाविद्यालय

Suman
शोधकर्ता
सुमन पैंकरा
अनुक्रंमाक 220410019
नामाकंन AA/20/121
एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र
राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

Checked
25/7/2022

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सुमन पैकरा एम. ए. समाजशास्त्र की चतुर्थ सेमेस्टर में नियमित छात्रा के रुप में स्थान 2022 की मुख्य परीक्षा हेतु अंशपूर्ति के रुप में छ. ग. राज्य के बलरामपुर जिले के जसवंतपुर ग्रामीण क्षेत्र में बैगा जनजाति का समाजशात्रीय अध्ययन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है।

शोध निर्देशक

डा. श्रीमति प्रतिभा सिंह

विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र

राजिव गॉधी शा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा, छ. ग.

अनुक्रमणिका

अध्याय-1

1. प्रस्तावना
2. अध्ययन के उद्देश्य
3. अध्ययन विधि

अध्याय-2

1.अध्ययन की परिकल्पना

2.तथ्यों का संकलन

3. शोध अभिकल्प

अध्याय-3

1. अध्ययन क्षेत्र का परिचय
2. बैगा जनजाति का सामान्य परिचय
3. बैगा जनजाति का आवास,रहन-सहन, भोजन, वेशभूषा, व्यवसाय

अध्याय-4

1. बैगा जनजाति के पर्व त्यौहार
2. बैगा जनजाति की परंपराएं एवं संस्कार

जन्म / विवाह / मृत्यु संस्कार

अध्याय-5

1. बैगा जनजाति की सामाजिक संचरना
2. बैगा जनजाति की चिकित्सा पद्धतियों का मूल्यांकन

3. बैगा जनजाति का आर्थिक जीवन

अध्याय-6

1. निष्कर्ष एवं सुझाव
2. बैगानी शब्दकोश
3. संदर्भ ग्रंथ सूची

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र - 2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

ीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले के अम्बिकापुर क्षेत्र में " महिला कैदी एवं जेल व्यवस्था " समाजशास्त्रीय अध्ययन

शोध निर्देशक

ॉ. श्रीमती प्रतिभा सिंह
ाभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र
गा. शा. स्ना. महाविद्यालय
बकापुर सरगुजा (छ.ग.)

शोधकर्ता

विमला सिंह
अनुक्रमांक – 220410020
नामांकन – AA/20/125
एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र

राजीव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया है कि **विमला सिंह** एम.ए. समाजशास्त्र में एक नियमित छात्रा के रूप में सत्र 2021–22 की मुख्य परीक्षा के अंतर्गत अंशपूर्ति के रूप में " **महिला कैदी एवं जेल व्यवस्था** " के रूप में क्षेत्र अम्बिकापुर जिला सरगुजा के रूप में लघु शोध प्रस्तुत किया है।

इन्होंने यह शोध कार्य मेरे निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। प्रस्तुत शोध परियोजना के इस के स्वयं के द्वारा एकत्रित तथ्यों पर आधारित है।

दिनांक 13-7-22

स्थान:- अम्बिकापुर

शोध निर्देशक

श्रीमती डॉ. प्रतिभा सिंह

विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र

रा.गा. शास. स्ना, महाविद्यालय

अम्बिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़

अनुक्रमणिका

अध्याय 01

महिला कैदी वं जेल व्यवस्था

अध्याय 02

इतिहास

अध्याय 03

अपराध का वर्गीकरण

अध्याय 04

महिला कैदियों की समस्याएं

अध्याय 05

विभिन्न राज्य सरकारों के प्रयास

समाजिक जीवन में महुआ का आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव

(चाँची गॉव के विशेष सन्दर्भ में)

शासकीय स्वशासी योजनान्तर्गत

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा
(छ0ग0)

एम.ए. सामाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्न पत्र के स्थान पर प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2021–22

निर्देशक

डॉ. श्रीमती प्रतिभा सिंह
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोधकर्ता

विनिता मिंज
रोल.नम्बर. 220410021
नामाकंन नम्बर AA/20/126
एम.ए. चतुर्थ सेमेंस्टर समाजशास्त्र
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर (छ.ग.)

स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध केन्द्र

समाजशास्त्र विभाग– राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0) 497001

सम्बद्ध विश्वविद्यालय – संन्त गहिरा गुरू विश्वविद्यालय अम्बिकापुर (छ0ग0)

25/7/2022

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा **विनिता मिंज** एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर, के नियमित छात्रा के रूप में राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.) में वर्ष 2022 की मुख्य परीक्षा हेतु इनके द्वारा अंश पूर्ति के रूप में **"छत्तीसगढ़ राज्य के बलरामपुर जिले के चाँची गॉव के क्षेत्र में सामाजिक जीवन में महुआ का आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव"** का लघु शोध प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

स्थान – अम्बिकापुर

दिनांक 13.7.22

शोध निर्देशक

डॉ. श्रीमती प्रतिभा सिंह

समाजशास्त्र विभाग

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

"समाजिक जीवन में महुआ का आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव"

(चाँची गॉव के विशेष सन्दर्भ में)

अनुक्रमणिका

अध्याय–01

प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन मार्गदशिका

1. प्रस्तावना
2. भूमिका
3. अध्ययन का उद्देश्य
4. लघु शोध की पद्यति
5. अध्ययन का केन्द्र बिन्दू

अध्याय–02

क्षेत्र कार्य परिचय

1. क्षेत्र अध्ययन का परिचय
2. चाँची गॉव का अध्ययन
3. धरातलीय स्वरूप
4. जलवायु

अध्याय–03

सामाजिक जीवन में महुआ का आर्थिक एवं सांस्कृतिक महत्व व उपयोग

1. मानवीय जीवन में आय का स्रोत
2. मानव के लिए रोजगार प्राप्त
3. महुआ का उपयोग
   - महुआ का औषधिय उपयोग
   - शराब बनाने में उपयोग
   - महुआ का घरेलु उपयोग
   - अन्य उपयोग
4. महुआ सेवन से स्वास्थ्य लाभ
5. महुआ के नुकसान

अध्याय–04

महुआ फल एवं फूल संग्रहण, प्रसंस्करण एवं भण्डारण

1. महुआ फल एवं फूल का संग्रहण
2. महुआ फूल संग्रहण की वैज्ञानिक तकनीक
3. महुआ फूल को सुखाने का तरीका
4. महुआ फूल का भण्डारण
5. महुआ फूल की गुणवत्ता
6. महुआ फूल संग्रहण एवं आयात–निर्यात के लिये परिवहन का उपयोग

अध्याय – 05

समाजिक जीवन में महुआ का योगदान व योजनाएँ

1. उत्पति एवं वितरण
2. महुआ का साकारात्मक प्रभाव
3. महुआ का न कारात्मक प्रभाव
4. व्यवस्था एवं कल्याणकारी योजनाएँ
5. प्रबंध हेतु आवश्यक सुझाव

अध्याय – 06

निष्कर्ष एवं संदर्भ सूची

स्वशासी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोतर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, छ. ग

सत्र -2022

समाजशास्त्र एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु शोध पत्र लघु शोध प्रबंध 2022

त्तेसगढ़ राज्य के जिला बलरामपुर के राजपुर विकासखण्ड के क्षेत्र में मीडिया का जनसंख्या प्रभाव में समाजशास्त्रीय अध्ययन

प्रचार्य
रशिदा परवेज
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोध निर्देशक
डॉ. श्रीमती प्रतिभा सिंह
विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र
गा. शा. स्ना. महाविद्यालय

पूर्णिमा यादव

शोधकर्ता
पूर्णिमा यादव
अनुक्रमाक 220410014
नामाकंन AA/201107
एम. ए. समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर

अध्ययन केन्द्र
राजिव गॉधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया है कि **पूर्णिमा यादव** एम.ए. समाजशास्त्र में एक नियमित छात्रा के रूप में सत्र 2022 की मुख्य परीक्षा के अंतर्गत अंशपूर्ति के रूप में **मीडिया का जनसंख्या प्रभाव में समाजशास्त्रीय अध्ययन** के रूप में विकासखंड राजपूर जिला बलरामपुर के रूप में प्रस्तुत किया है।

इन्होंने यह शोध कार्य मेरे निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। प्रस्तुत शोध परियोजना के इस के स्वयं के द्वारा एकत्रित तथ्यों पर आधारित है।

दिनांक :- 13.7.22

स्थान:- अम्बिकापुर

शोध निर्देशक

श्रीमती डॉ.प्रतिभा सिंह

विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र

रा.गा.शास.स्ना. महाविद्यालय

अम्बिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़

अनुक्रमणिका

अध्याय -1

1.प्रस्तावना

2.युवा विकास से आशय

3.शोध का उद्देश्य

4.शोध प्रविधि

5. प्रदत्त संकलन

6.शोध की विशेषताएं

अध्याय 2 क्षेत्र कार्य परिचय

1. छत्तीसगढ़ का परिचय

2- जिला बलरामपुर का परिचय

3.राजपुर में मीडिया की जनसंख्या पर प्रभाव

अध्याय -3 मीडिया का स्वरूप

1. समाचार पत्रों का विकास
2. प्रचलित पत्र पत्रिकाएँ तथा चैनल
3. मीडिया का महत्व
4. मीडिया का समाजिक दायित्व

अध्याय -4

1. मीडिया का सकारात्मक प्रभाव
2. मीडिया का नकारात्मक प्रभाव
3. सोशल मीडिया का गुण
4. समाजशास्त्र में मीडिया का प्रभाव

अध्याय -5

निष्कर्ष

संदर्भ ग्रंथ सूची-